**CLASS : 12th (Sr. Secondary)** **4355/4305**

**Series : SS-M/2019**

Total No. of Printed Pages : **32** **SET : A, B, C & D**

# MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

## SANSKRIT

***ACADEMIC/OPEN***

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

***उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।***

***General Instructions :***

*(i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

*(ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

*(iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

*(iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

*(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*

*(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*

*(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*

*(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*

*(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*

*(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

*(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

***महत्त्वपूर्ण निर्देश :***

*(i)* *अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अन्तिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

*(ii)* *शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

*(iii)* *परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

*(iv)* *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

*(v)* *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

*(vi)* *मुख्य-परीक्षकों/ उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

*निर्देश :*

*(i)* सभी प्रश्नों के उत्तर क्रम से एक स्थान पर होने चाहिए।

*(ii)* उत्तर सही और सटीक होने पर पूर्णांक का लाभ दिया जाना चाहिए।

*(iii)* जाँचने से पहले 'शाश्वति' 'द्वितीयो भागः' का गहन-सूक्ष्म विवेचन करना चाहिए।

**SET – A**

---

**खण्डः 'क'**

**(अपठित - अवबोधनम्)**

**1.** गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में पूर्ण वाक्यों में, संस्कृत-भाषा में उत्तर दिए जाएँगे। प्रत्येक शुद्ध उत्तर के लिए **2** अंक निर्धारित हैं :

उत्तराणि – $2 \times 5 = 10$

(क) बाल्यकाले बालकस्योपरि संसर्गस्य प्रभावो भवति।

(ख) दुर्जनैः सह संगतिः कदापि न करणीया।

(ग) दुर्जनसंसर्गेण मानवस्य बुद्धिः दूषिता भवति।

(घ) बाल्यकाले दुर्जनैः सह संगति कदापि न करणीया।

(ङ) दुर्जनानां संसर्गेण बहवः हानयः भवन्ति।

**खण्डः 'ख'**

**(रचनात्मकं - कार्यम्)**

**2.** कोई ***एक*** निबन्ध संस्कृत भाषा में, पूर्णरूपेण शुद्ध लिखे जाने पर पूर्णांक प्रदान किए जा सकते हैं। मूल्यांकनकर्ता अपने विवेक से निर्णय लें। 6

**खण्डः 'ग'**

**(पठित - अवबोधनम्)**

**3.** (क) पञ्चमः पाठः – 'शुकनासोपदेशः' से संकलित है।

प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए क्रमशः **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**अथवा**

(ख) गद्यांश 'शाश्वती' के सप्तमः पाठः 'विक्रमस्यौदार्यम्' से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए क्रमशः **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**4.** (क) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के 'द्वितीयः पाठः' के 'रघुकौत्ससंवादः' का 15वाँ श्लोक है। 4

**अथवा**

(ख) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के 'षष्ठः पाठः' के सूक्ति सुधा का 6वाँ श्लोक है। 4

**5.** प्रत्येक सूक्ति के **2-2** अंक निर्धारित किए गए हैं। $2 \times 2 = 4$

(क) 'किन्तोः कुटिलता' – द्वादश पाठः, पृष्ठ संख्या 98

(ख) 'दीनबन्धुः श्रीनायारः' – दशमः पाठः, पृष्ठ संख्या – 88

(ग) 'कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम्' – नवमः पाठः, पृष्ठ संख्या 78

(घ) 'किन्तोः कुटिलता' – द्वादशः पाठः, पृष्ठ संख्या – 101

**6.** 'कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम्' – नवमः पाठः पृष्ठ संख्या 79 से संकलित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) पदे पदे शाखाः सम्मुखमाध्नन्ति।

(ख) 'स्वकार्याद्' इति पदे पञ्चमीविभक्तिः।

**7.** 'कर्मगौरवं – चतुर्थः पाठः पृष्ठ संख्या 39 से संकलित श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृतभाषा में दिए जाने हैं। प्रत्येक उत्तर के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) लोकः प्रमाणम् अनुवर्तते।

(ख) 'सः' इति पदे प्रथमाविभक्तिः एकवचनञ्न

**8.** एक-एक प्रश्न का **1-1** अंक निर्धारित किया गया है।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) क्या ?

(ख) कम् ?

**खण्डः 'घ'**

**(संस्कृतसाहित्यस्य - परिचयः)**

**9.** श्रीचन्द्रशेखर वर्मा ***अथवा*** महाकवि कालिदास में से किसी ***एक*** के जीवनकृतिविषयक संक्षिप्त परिचय हिन्दी भाषा में दिया जाना है। इसके लिए **4** अंक निर्धारित किए गए हैं। 4

**10.** 'प्रबन्धमञ्जरी' ***अथवा*** 'रघुवंशम्' में से ***एक*** का संक्षिप्त परिचय हिन्दीभाषा में दिया जाना है। इसके लिए **4** अंक निर्धारित किए गए हैं। 4

**खण्डः 'ङ'**

**(छन्दोऽलङ्कार - परिचयः)**

**11.** किन्हीं ***दो*** छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् एक छन्द के लिए **4** अंक निर्धारित हैं। $2 \times 4 = 8$

**12.** किन्हीं ***दो*** अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् एक अलंकार के लिए **4** अंक निर्धारित हैं। $2 \times 4 = 8$

## खण्डः 'च'

## (अनुप्रयुक्त - व्याकरणम्)

**13.** 'गुणसन्धि' ***अथवा*** विसर्गसंधि की परिभाषा सोदाहरण हिन्दी भाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**14.** 'करणकारक' ***अथवा*** अधिकरणकारक की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**15.** 'द्वन्द्वसमास' ***अथवा*** अव्ययीभावसमास की परिभाषा सोदाहरण हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

## खण्डः 'छ'

## [ बहुविकल्पीय - वस्तुनिष्ठप्रश्नाः ]

**16.** प्रत्येक उत्तर हेतु **1-1** अंक निर्धारित हैं। $1 \times 6 = 6$

(क) (ii) हि + एवंविधम्

(ख) (i) अनेजदेकम्

(ग) (ii) गुणसन्धिः

(घ) (iii) वरतन्तोः शिष्यः

(ङ) (iii) नञ् तत्पुरुषः

(च) (i) गुणलुब्धः

**17.** लघूत्तरात्मक उत्तराणि – $1 \times 10 = 10$

(i) कया

(ii) तृतीया

(iii) अस्

(iv) प्रथमपुरुषः

(v) क्त्वा

(vi) त्यक्त्वा

(vii) चतुर्थी

(viii) सुकृतम्

(ix) मूर्खः

(x) धरा

**SET – B**

## खण्डः 'क'

## (अपठित - अवबोधनम्)

**1.** गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के पूर्ण वाक्यों में संस्कृत-भाषा में उत्तर दिए जाएँगे। प्रत्येक शुद्ध उत्तर के लिए **2** अंक निर्धारित हैं :

**उत्तराणि –** $2 \times 5 = 10$

(क) पर्यटनं रोमाञ्चकारी।

(ख) पर्यटन-उद्योगेन भारतशासनं धनं लभते।

(ग) प्रियजनैः यह कृतं पर्यटनम् आनन्दं ददाति।

(घ) पर्यटनेन लब्धं ज्ञानं स्थिरतरं भवति।

(ङ) पर्यटनेन ज्ञानस्य वृद्धिः भवति।

## खण्डः 'ख'

## (रचनात्मकं - कार्यम्)

**2.** कोई ***एक*** निबन्ध संस्कृत भाषा में, पूर्णरूपेण शुद्ध लिखे जाने पर पूर्णांक प्रदान किए जा सकते हैं। मूल्यांकनकर्ता अपने विवेक से निर्णय लें। 6

**खण्डः 'ग'**

**(पठित - अवबोधनम् )**

**3.** (क) अष्टमः पाठः – 'भू-विभागाः' से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए क्रमशः **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**अथवा**

(ख) गद्यांश 'शाश्वती' भाग - 2 के नवमः पाठः 'कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम्' से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**4.** (क) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' के 'प्रथमः पाठः' के 'विद्यायाऽमृतमश्नुते' का 3 मंत्र है। 4

**अथवा**

(ख) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के 'द्वितीयः पाठः' का 20वाँ श्लोक है। 4

**5.** प्रत्येक सूक्ति के **2-2** अंक निर्धारित किए गए हैं। $2 \times 2 = 4$

(क) 'भूविभागाः' – अष्टमः पाठः, पृष्ठ संख्या 75

(ख) 'भूविभागाः' – अष्टमः पाठः, पृष्ठ संख्या 75

(ग) 'शुकनासोपदेशः' – पञ्चमः पाठः, पृष्ठ संख्या 49

(घ) 'किन्तोः कुटिलता' – द्वादशः पाठः, पृष्ठ संख्या – 101

**6.** 'विक्रमस्यौदार्यम्' – सप्तमः पाठः पृष्ठ संख्या 68 से संकलित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृतभाषा में दिए जोने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) अयं संसारः असारः अस्ति।

(ख) 'कस्य' इति पदे षष्ठीविभक्तिः।

**7.** 'सूक्ति सुधा' – षष्ठः पाठः, पृष्ठ संख्या 57 से संकलित श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृतभाषा में दिए जाने हैं। प्रत्येक उत्तर के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) सर्वत्र नीरज-राजितं नीरम् अस्ति।

(ख) 'अस्ति' इति पदे प्रथमः पुरुषः।

**8.** ***एक-एक*** प्रश्न का **1-1** अंक निर्धारित किया गया है।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) केषाम् ?

(ख) कौ ?

**खण्डः 'घ'**

**(संस्कृत - साहित्यस्य - परिचयः)**

**9.** महाकवि बाणभट्ट ***अथवा*** भट्ट मथुरानाथशास्त्री में से किसी ***एक*** के जीवनकृतिविषयक संक्षिप्त परिचय हिन्दीभाषा में दिया जाना है। इसके लिए **4** अंक निर्धारित हैं। 4

**10.** 'शिवराजविजयम्' ***अथवा*** 'पाषाणीकन्या' हेतु **4** अंकों का निर्धारण किए गया है। 4

**खण्डः 'ङ'**

**(छन्दोऽलङ्कार - परिचयः)**

**11.** किन्हीं ***दो*** छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् ***एक*** छन्द के लिए **4** अंक निर्धारित हैं। $2 \times 4 = 8$

**12.** किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् ***एक*** अलंकार के लिए **4** अंक निर्धारित हैं। $2 \times 4 = 8$

**खण्डः 'च'**

**(अनुप्रयुक्त - व्याकरणम्)**

**13.** 'अयादिसन्धि' ***अथवा*** 'गुणसन्धि' की परिभाषा सोदाहरण सहित हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**14.** 'कर्मकारक' ***अथवा*** 'अपादानकारक' की परिभाषा सोदाहरण हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**15.** 'अव्ययीभाव' ***अथवा*** 'द्विगुसमास' की परिभाषा सोदाहरण सहित हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**खण्डः 'छ'**

**[ बहुविकल्पीय - वस्तुनिष्ठप्रश्नाः ]**

**16.** प्रत्येक उत्तर हेतु **1-1** अंक निर्धारित हैं। $1 \times 6 = 6$

(क) (ii) अश्वः + अश्वः

(ख) (i) नोपसर्पति

(ग) (i) दीर्घसन्धिः

(घ) (iii) कुलस्य व्रतम्

(ङ) (iv) बहुव्रीहिः

(च) (ii) उपराजम्

**17.** लघूत्तरात्मक उत्तराणि – $1 \times 10 = 10$

(i) अहम्

(ii) षष्ठी

(iii) लट् लकारः

(iv) प्रथमपुरुषः

(v) शतृ

(vi) आगत्य

(vii) तृतीया

(viii) नीरम्

(ix) नीरजम्

(x) विद्वान्

**SET – C**

---

**खण्डः 'क'**

**(अपठित - अवबोधनम्)**

**1.** गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के पूर्ण वाक्यों में, संस्कृत-भाषा में उत्तर दिए जाएँगे। प्रत्येक शुद्ध उत्तर के लिए **2** अंक निर्धारित हैं :

**उत्तराणि –** $2 \times 5 = 10$

(क) सर्वेषु देशेषु ऋतुराजवसन्तस्य स्वागतोत्सवः क्रियते।

(ख) नवधान्यं गृहे दृष्ट्वा कृषकाः हर्षन्ति।

(ग) देवरिपोः नाम हिरण्यकशिपुः आसीत्।

(घ) हिरण्यकशियोः सुतः प्रह्लादः आसीत्।

(ङ) हिरण्यकशिपोः स्वसा होलिका आसीत्।

**खण्डः 'ख'**

**(रचनात्मकं - कार्यम्)**

**2.** कोई ***एक*** निबन्ध संस्कृत भाषा में, पूर्णरूपेण शुद्ध लिखे जाने पर पूर्णांक प्रदान किए जा सकते हैं। मूल्यांकनकर्ता अपने विवेक से निर्णय लें। 6

**खण्डः 'ग'**

**(पठित - अवबोधनम्)**

**3.** (क) गद्यांश 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के दशमः पाठः 'दीनबन्धुः श्रीनायारः से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए क्रमशः **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**अथवा**

(ख) गद्यांश 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के एकादशः पाठः 'उद्भिज्ज परिषद्' से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**4.** (क) प्रस्तुतश्लोक 'शाश्वती' द्वितीयोभागः के 'द्वितीयः पाठः' के 'रघुकौत्ससंवादः' का 19वाँ श्लोक है। 4

**अथवा**

(ख) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के 'चतुर्थः पाठः' के 'कर्मगौरवम्' का 8वाँ श्लोक है। 4

**5.** प्रत्येक सूक्ति के **2-2** अंक निर्धारित किए गए हैं। $2 \times 2 = 4$

(क) 'विक्रमस्यौदार्यम्' – सप्तमः पाठः, पृष्ठ संख्या 68

(ख) 'विक्रमस्यौदार्यम्' – सप्तमः पाठः, पृष्ठ संख्या – 68

(ग) 'कर्मगौरवम्' – चतुर्थः पाठः, पृष्ठ संख्या 38

(घ) 'बालकौतुकम्' – तृतीयः पाठः, पृष्ठ संख्या – 27

**6.** 'कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम्' – नवमः पाठः, पृष्ठ संख्या 79 से संकलित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) अकस्मात् महान् झञ्झावातः उत्थितः।

(ख) अन्धकारः मेघमालाभिः द्विगुणितः।

**7.** 'कर्मगौरवम्' – चतुर्थः पाठः, पृष्ठ संख्या 38 से संकलित श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृतभाषा में दिए जाने हैं। प्रत्येक उत्तर के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) बुद्धियुक्तः सुकृतदुष्कृते जहाति।

(ख) 'योगाय' इति पदे चतुर्थी विभक्तिः एकवचनञ्च।

**8.** ***एक-एक*** प्रश्न का **1-1** अंक निर्धारित किया गया है।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) कस्मात् ?

(ख) कस्य ?

**खण्डः 'घ'**

**(संस्कृतसाहित्यस्य – परिचयः)**

**9.** महाकवि कालिदास ***अथवा*** पं भट्ट मथुरानाथशास्त्री में से किसी ***एक*** के जीवनकृतिविषयक संक्षिप्त परिचय हिन्दीभाषा में दिया जाना है। इसके लिए **4** अंक निर्धारित हैं। 4

**10.** 'श्रीमद्भगवद्गीता' ***अथवा*** 'कादम्बरी' हेतु **4** अंकों निर्धारण किया गया है। 4

**खण्डः 'ङ'**

**(छन्दोऽलङ्कार - परिचयः)**

**11.** किन्हीं ***दो*** छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् ***एक*** छन्द के लिए **4** अंक निर्धारित हैं। $2 \times 4 = 8$

**12.** किन्हीं ***दो*** अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् ***एक*** अलंकार के लिए **4** अंक निर्धारित हैं। $2 \times 4 = 8$

**खण्डः 'च'**

**(अनुप्रयुक्त - व्याकरणम्)**

**13.** 'गुणसन्धि' ***अथवा*** 'यण्सन्धि' की परिभाषा सोदाहरण हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**14.** 'कर्ताकारक' ***अथवा*** 'सम्प्रदानकारक' की परिभाषा हिन्दीभाषा में लिखे जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**15.** 'अव्ययीभावसमास' ***अथवा*** द्वन्द्वसमास की परिभाषा सोदाहरण हिन्दी भाषा में लिखे जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**खण्डः 'छ'**

**[ बहुविकल्पीय - वस्तुनिष्ठप्रश्नाः ]**

**16.** प्रत्येक उत्तर हेतु **1-1** अंक निर्धारित हैं। $1 \times 6 = 6$

(क) (iii) सः + अपि

(ख) (i) तेनैव

(ग) (ii) दीर्घ सन्धिः

(घ) (ii) प्रकृत्या सिद्धम्

(ङ) (i) बहुव्रीहिः

(च) (ii) अनार्या

**17.** लघूत्तरात्मक उत्तराणि – $1 \times 10 = 10$

(i) तृतीया

(ii) त्वम्

(iii) अस्

(iv) प्रथमपुरुष

(v) क्त्वा

(vi) निधाय

(vii) द्वितीया

(viii) धनम्

(ix) प्रियः

(x) दुष्कृतम्

**SET – D**

## खण्डः 'क'

## (अपठित - अवबोधनम्)

**1.** गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में पूर्ण वाक्यों में, संस्कृत-भाषा में उत्तर दिए जाएँगे। प्रत्येक शुद्ध उत्तर के लिए **2** अंक निर्धारित हैं :

**उत्तराणि –** $2 \times 5 = 10$

(क) प्रत्येक कार्येषु विज्ञानं व्याप्तमस्ति।

(ख) विमानेन आकाशे स्वच्छन्दं विहरामः।

(ग) विद्युतः प्रभावेण व्यजनानि चलन्ति।

(घ) विद्युद्दीपकं प्रज्वाल्य वयं प्रकाशं कुर्मः।

(ङ) पोतेन वयं नदीः समुद्रांश्च तरामः।

**खण्डः 'ख'**

**(रचनात्मकं - कार्यम्)**

**2.** कोई ***एक*** निबन्ध संस्कृत भाषा में, पूर्णरूपेण शुद्ध लिखे जाने पर पूर्णांक प्रदान किए जा सकते हैं। मूल्यांकनकर्ता अपने विवेक से निर्णय लें। 6

**खण्डः 'ग'**

**(पठित - अवबोधनम्)**

**3.** (क) गद्यांश 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के नवमः पाठः – 'कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम्' से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं। 4

**अथवा**

(ख) गद्यांश 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के द्वादशः पाठः –'किन्तोः कुटिलता' से संकलित है। प्रसंग, अर्थ और व्याख्या के लिए **1, 1, 2** अंक निर्धारित हैं।

**4.** (क) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के 'षष्ठः पाठः' के सूक्तिसुधा का 9वाँ श्लोक है। प्रसंग, अर्थ, व्याख्या लिखने पर क्रमशः **1, 1, 2** अंक प्रदान करें। 4

**अथवा**

(ख) प्रस्तुत श्लोक 'शाश्वती' द्वितीयो भागः के 'सप्तमः पाठः' के 'विक्रमस्यौदार्यम्' का 4वाँ श्लोक है। प्रसंग, अर्थ, व्याख्या लिखने पर क्रमशः **1, 1, 2** अंक प्रदान करें। 4

**5.** प्रत्येक सूक्ति के **2-2** अंक निर्धारित किए गए हैं। $2 \times 2 = 4$

(क) 'किन्तोः कुटिलता' – द्वादशः पाठः, पृष्ठ संख्या 98

(ख) 'रघुकौत्ससंवादः' – द्वितीयः पाठः, पृष्ठ संख्या – 14, श्लोक संख्या - 13

(ग) 'रघुकौत्ससंवादः' – द्वितीयः पाठः, पृष्ठ संख्या 15, श्लोक संख्या - 19

(घ) 'विद्याऽमृतमश्नुते' – प्रथमः पाठः, पृष्ठ संख्या – 2, मंत्र संख्या -2

**6.** 'दीनबन्धु श्रीनायारः' – दशमः पाठः, पृष्ठ संख्या 87 से संकलित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृतभाषा में दिऐ जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) श्रीदासः पत्रम् उद्घाटितवान्।

(ख) 'तस्य' इति पदे षष्ठी विभक्तिः।

**7.** 'कर्मगौरवम्' – चतुर्थः पाठः पृष्ठ संख्या 38 से संकलित श्लोक को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृतभाषा में दिए जाने हैं। प्रत्येक शुद्धोत्तर के लिए **1-1** अंक निर्धारित हैं।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) अकर्मणः कर्म ज्यायः।

(ख) 'त्वम्' इति पदे युष्मद् शब्दः।

**8.** ***एक-एक*** प्रश्न का **1-1** अंक निर्धारित किया गया है।

**उत्तराणि –** $2 \times 1 = 2$

(क) कः ?

(ख) कः ?

**खण्डः 'घ'**

**(संस्कृतसाहित्यस्य – परिचयः)**

**9.** महाकवि बाणभट्ट ***अथवा*** पं० हृषिकेश भट्टाचार्य में से किसी ***एक*** के जीवनकृतिविषयक संक्षिप्त परिचय हिन्दीभाषा में दिया जाना है। इसके लिए **4** अंक निर्धारित किए गए हैं। 4

**10.** 'रघुवंश' ***अथवा*** 'समुद्रसङ्गमः' हेतु **4** अंकों का निर्धारण किया गया है। 4

**खण्डः 'ङ'**

**(छन्दोऽलङ्कार - परिचयः)**

**11.** किन्हीं ***दो*** छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् ***एक*** छन्द के लिए **4** अंक निर्धारित किए गए हैं। $2 \times 4 = 8$

**12.** किन्हीं ***दो*** अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण हेतु क्रमशः **2-2** अर्थात् ***एक*** अलंकार के लिए **4** अंक निर्धारित किए गए हैं। $2 \times 4 = 8$

**खण्डः 'च'**

**(अनुप्रयुक्त - व्याकरणम्)**

**13.** 'दीर्घसन्धि' ***अथवा*** व्यञ्जनसन्धि की परिभाषा सोदाहरण हिन्दीभाषा में दिये जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**14.** 'करणकारक' ***अथवा*** 'अपादानकारक' की परिभाषा सोदाहरण हिन्दीभाषा में दी जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**15.** 'तत्पुरुषसमास' ***अथवा*** 'बहुव्रीहिसमास' की परिभाषा सोदाहरण हिन्दीभाषा में लिखे जाने पर **2** अंक प्रदान करें। 2

**खण्डः 'छ'**

**[ बहुविकल्पीय - वस्तुनिष्ठप्रश्नाः ]**

**16.** प्रत्येक उत्तर हेतु **1-1** अंक निर्धारित हैं। $1 \times 6 = 6$

(क) (iii) समुद्रः + अपि

(ख) (i) यच्च

(ग) (iii) वृद्धिसन्धिः

(घ) (iii) वाचि पटुता

(ङ) (i) तत्पुरुषः

(च) (ii) चन्द्रोज्ज्वलाः

**17.** लघूत्तरात्मक उत्तराणि – $1 \times 10 = 10$

(i) के

(ii) प्रथमा

(iii) अश्

(iv) प्रथमपुरुषः

(v) क्त

(vi) निषिध्य

(vii) चतुर्थी

(viii) मेघः

(ix) यापात्

(x) शुभम्